

17/7/2017

नारायणी नदी में संपन्न मोहन राय  
 उपाय दुबे एवं उनके पुत्राजय एवं वधवा विरुद्ध  
 जो आदिवासी हैं। संश्लेष में विवरण है कि  
 पंचायत समिति के गठानुसार वे मोहन के वधवा  
 के खेतों में 156 रकबा 0.06 हेक्टर जमीन  
 मुक्ति के लिए चलाए गए सन् 2014 में संपन्न  
 संपन्न के विषय रकबा 10 गांठ नारायण नदी  
 कावे के संपन्न में ही की गई है कि जमीन  
 जिस पर इस संपन्न में संपन्न का संपन्न  
 वेधि पंचायत 1956 की धारा 10 के द्वारा संपन्न



डॉ. मोहन राय

10

प्रमाण कि कर और सामल के बिना L.R. 1918 का  
 भाग 9 के हवा बोर्डिग जय किम जय और सापु  
 उप. दुभा एवं सुवागम और सापु के उर अरान के  
 उर अरिभुमिक्त लक्रे की शकिय रफि को हवा केने हए  
 रमेत हाए रवीभरणी किम यशनीन रफि के मु.  
 रायने की मुक्तिपर हरे अरिभुमिक्त की मों किड रूप से  
 के डलम करने एवं प्रायनी के मुक्ति के जाम का  
 पचास गुका तुपित राय कायप किने गने के  
 निदेश है। मरवाए हला गडाड काला को  
 मोंना क. केव बिवाड के कुरा 456 रमा 0.06  
 मे मु रायने पर मों किड रूप से के लक्रे के करिण-  
 डिह गे हरे एवं प्रयवी रमा को 21 (रुकीस अरिभुमिक्त)  
 रासीवले करने के निदेश डिह गे हरे।  
 मरायनी मुनीना मोंग भाप हरे यीन काले को  
 मीनी रफनद मजदली मुक्ति के लक्रे के कर अरिभुमिक्त  
 है। निदेश काग को 17/7/2017 को  
 सुवागम।

सहसिलदार, रिवां बड़ी  
 (वाणीप - वावलाप)